मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

कुलपति महोदय का सन्देश

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

मुझे यह बताते हुए अपार गर्व एवं हर्ष की अनुभूति हो रही है कि, इंडिया टुडे – एम.डी.आर.ए के वार्षिक सर्वेक्षण, 2021 में हमारे विश्वविद्यालय को पुनः देश के शीर्ष दस विश्वविद्यालयों की श्रेणी में (9वां) स्थान मिला है । यह देश का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय है जिसे लगातार दूसरे वर्ष देश के शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय को यह स्थान अग्रणी भारतीय पत्रिका इंडिया टुडे द्वारा प्रदान की गयी जिसकी भारत में पाठको की संख्या नब्बे लाख से भी अधिक है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक-छात्र अनुपात की श्रेणी में भी तीसरा स्थान प्राप्त हुआ । पिछले वर्ष 10वें (2020) से इस वर्ष 9वें स्थान (2021) पर आना, विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए किये जा रहे हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है ।

इसके अलावा, हमारे विश्वविद्यालय को भा.कृ.अनु.प.-नई दिल्ली से दो राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए- प्रथम पुरस्कार ,उत्कृष्ट कृषि विज्ञान केन्द्र , पिपराकोठी को प्राप्त हुआ तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में जगजीवन राम अभिनव पुरस्कार वैशाली जिले की हमारी एक मशरूम किसान श्रीमती मनोरमा सिंह जी को प्रदान किया गया । श्रीमती सिंह, जिन्होंने विश्वविद्यालय की सहायता से मशरूम की खेती शुरू की थीं, और अब महिला सशक्तिकरण का एक उदाहरण बन गयीं हैं । मुझे याद है कि, मैं ने फरवरी 2016 में उनके स्पॉन इकाई का उद्घाटन किया था,और केवल पांच वर्षों की अवधि में, उन्होंने मशरूम उत्पादन नियंत्रित संयंत्र में अपनी स्पॉन इकाई का विस्तार करके प्रति माह एक लाख से अधिक की कमाई करना शुरू कर दिया है । उन्हें, उनके उत्कृष्ट सफलता की बधाई देता हूं और आशा करता हूँ कि कई और महिला उद्यमी उनके पदचिन्हों का अनुसरण कर स्वावलंबी बनेगीं

मैं इन सभी पुरस्कारों हेतु, विश्वविद्यालय के प्रत्येक सदस्य के योगदान के लिए उन का आभार व्यक्त करता हूं ।

सधन्यवाद ।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 04 जुलाई 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान , अल्मोड़ा के स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया ।
- दिनांक 10 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के अवसर पर मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में आर.ए.एस भवन, मत्स्य वाटिका और मत्स्य संग्रहालय का उद्घाटन किया ।
- दिनांक 14 जुलाई 2021 को भा.कृ.अनु.प.-अटारी, जोन-IV, पटना द्वारा आयोजित कृषि विज्ञान केन्द्रों की चौथी वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- दिनांक 14 जुलाई 2021 को "फिश वाटर हैचरी से मछली के बीज की गुणवत्ता बढ़ाने की रणनीतियाँ" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया ।
- दिनांक 14 जुलाई 2021 को 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन' की राज्य स्तरीय कार्यसमिति की बैठक में भाग लिया
- दिनांक 15 जुलाई 2021 को "जलवायु खतरों को कम करने वाले अनुसंधान हस्तक्षेप: एक शैक्षणिक अवलोकन " विषय पर आयोजित वेबिनार की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 16 जुलाई 2021 को "हर मेड़ पर पेड़" विषय पर आयोजित वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया ।
- दिनांक 16 जुलाई 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भा.कृ.अनु.प. के 93वें स्थापना दिवस और पुरस्कार समारोह में भाग लिया ।
- दिनांक 16 जुलाई 2021 को रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के वनस्पति उद्यान में 'वन महोत्सव' कार्यक्रम का उद्घाटन किया ।
- दिनांक 17 जुलाई 2021 को रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा की अकादमिक परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 17 जुलाई 2021 को कृषि अभियांत्रिकी विभाग, चेन्नई द्वारा "तमिलनाडु में किसानों की आय बढाने एवं सतत कृषि हेतु कृषि क्षेत्र को बढ़ाने के लिए कृषि अभियांत्रिकी का प्रयोग" विषय पर आयोजित ब्रेन स्टॉर्मिंग सत्र में भाषण दिया ।
- दिनांक 18 जुलाई 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में 'अक्षयनी चिल्ड्रेन पार्क' का उद्घाटन किया।
- दिनांक 19 जुलाई 2021 को 'विश्वविद्यालय में विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों' विषय पर कृषि विभाग, बिहार सरकार के प्रसार अधिकारियों और प्रगतिशील किसानों के प्रशिक्षण और एक्सपोजर विजिट का उद्घाटन किया ।
- दिनांक 19 जुलाई 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से "रासायनिक उर्वरकों और अन्य कृषि-रसायनो का सुरक्षित उपयोग" विषय पर विचार मंथन सत्र में भाग लिया ।
- दिनांक 20 जुलाई 2021 को वर्चुअल मोड में "बीज में नीतिगत सुधार के माध्यम से जैव-फोर्टिफिकेशन का विस्तार" विषय पर आयोजित नीति कार्यशाला में भाग लिया ।
- दिनांक 23 जुलाई 2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा की 7वीं वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 23 जुलाई 2021 को विद्यापति सभागार में कृ. वि. के., पिपराकोठी टीम के पुरस्कार विजेता सदस्यों एवं प्रगतिशील किसान श्रीमती मनोरमा सिंह जी के सम्मान समारोह की अध्यक्षता की ।
- दिनांक 24 जुलाई 2021 को ए.सी.एम.आर, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा में 01 टन/दिन की क्षमता वाले एडवांस मशरूम स्पॉन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया ।
- दिनांक 24 जुलाई 2021 को आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में 'महाभाष्य' मीटिंग हॉल का उद्घाटन किया और वार्षिक महाभाष्य श्रृंखला के अंतर्गत उद्घाटन व्याख्यान भी दिया ।
- दिनांक 26 जुलाई 2021 को एग्रो इकोनॉमिक अनुसंधान केंद्र, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात द्वारा "अपशिष्ट से धनोपार्जन : कृषि अपशिष्ट और फसल अवशेषों का प्रबंधन" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया तथा "ग्रामीण रोजगार का सृजन : कृषि-अपशिष्ट का मुद्रीकरण" विषय पर व्याख्यान दिया ।
- इंडिया टुडे समूह द्वारा विश्वविद्यालय को प्राप्त 9वीं रैंकिंग के धन्यवाद ज्ञापन हेतु दिनांक 31 जुलाई 2021 को विद्यापति सभागार में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

'OP 10 GENERAL UNIVERSITIES GOVERNMENT) ➤

ANK 021	UNIVERSITY	RANK 2020	RANK 2019	RAN 201
1	JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY, New Delhi	1	1	1
2	UNIVERSITY OF DELHI, Delhi	NP	NP	2
3	UNIVERSITY OF HYDERABAD, Hyderabad	2	2	3
4	ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY, Aligarh	3	3	5
5	UNIVERSITY OF CALCUTTA, Kolkata	5	5	NP
6	JAMIA MILLIA ISLAMIA, New Delhi	8	7	7
7	MAHATMA GANDHI UNIVERSITY, Kottayam	6	6	11
8	TATA INSTITUTE OF SOCIAL SCIENCES, Mumbai	9	NP	NP
9	DR RAJENDRA PRASAD CENTRAL AGRI-CULTURAL UNIV., PUSA, Samastipur, Bihar	10	NP	NP
10	COCHIN UNIVERSITY OF SCIENCE & TECHNOLOGY, Kochi	7	9	9

खंड -2, अंक -8
अगस्त, 2021

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (राकेश मणि शर्मा, पी. कु. प्रणव, एम.एल. मीणा , कुमारी सपना , आशीष कु.पंडा, सुधा नंदनी, गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

- दिनांक 17 जुलाई, 2021 को कृषि-व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय में विश्वविद्यालय की 7वीं अकादमिक परिषद की बैठक आयोजित की गयी , जिसमें शैक्षणिक कार्यक्रम में सुधार हेतु नीतिगत मुद्दों की चर्चा की गई एवं उन्हें अंतिम रूप दिया गया।
- ऑनलाइन मोड के माध्यम से दिनांक 15 और 27 जुलाई 2021 को आठवीं शिक्षा परिषद की बैठक सम्पन्न की गयी जिसमे विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों और कार्यक्रमों के लिए जारी दिशा-निर्देशों की समीक्षा की गयी तथा उन्हें अंतिम रूप दिया गया।
- शैक्षणिक गतिविधियों में सुधार के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा तथा अकादमिक परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों को रखने हेतु विभिन्न महाविद्यालयों में बोर्ड ऑफ स्टडीज की वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।
- सभी स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी पाठ्यक्रमों के लिए अंतिम परीक्षा ऑनलाइन मोड के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरी की गई और अधिकांश छात्रों ने अंतिम मूल्यांकन के लिए अपनी थीसिस जमा कर दी है।
- मत्स्यकी महाविद्यालय में 10 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया गया और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी की उपस्थिति में एक पुस्तक, प्रैक्टिकल मैनुअल और एक लैब मैनुअल का विमोचन भी किया गया।

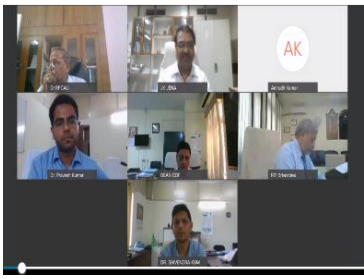

- दिनांक 14 जुलाई 2021 को एक्वाकल्चर विभाग, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली, द्वारा "फिश वाटर हैचरी से मछली के बीज की गुणवत्ता बढ़ाने की रणनीतियाँ" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जयकृष्ण जेना, उप महानिदेशक (मत्स्य विज्ञान), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एन. विजया लक्ष्मी, प्रमुख सचिव, पशु और मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार ने भाग लिया। उक्त वेबिनार में डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा , डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव, कुलसचिव, और डॉ. एस.सी. राय, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली भी उपस्थित रहे। लगभग 350 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 9 जुलाई 2021 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय और प्रशांत बैंबू मशीन्स प्रा. लिमिटेड, नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से "उद्यमिता के लिए बांस प्रसंस्करण और क्राफ्टिंग" विषय पर कृ.वि.के. हेतु एक व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया । इस अवसर पर डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय ने एक परिचयात्मक भाषण दिया साथ हीं डॉ एम.एस. कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

अनुसंधान

रा.प्र.के.कृ.वि. द्वारा बाढ़ निगरानी और फसल क्षति का आकलन

जल प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्र ने पूरे बिहार में मौजूदा प्रारंभिक बाढ़ की स्थिति के लिए वर्तमान बाढ़ मानचित्रण और क्षति आकलन पर काम किया। इस उद्देश्य के लिए, केंद्र में हाल ही में विकसित भू-स्थानिक प्रयोगशाला में गूगल अर्थ इंजन प्लेटफॉर्म पर सेंटिनल -1 एसएआर इमेजरी का विश्लेषण किया गया। परिणामों से पता चला कि बिहार के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 7.18% बाढ़ या जल भराव की स्थिति में है, जिससे 7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। वर्तमान स्थिति में बिहार के 56.03 लाख हेक्टेयर शुद्ध खेती वाले क्षेत्र में से 3.61 लाख हेक्टेयर फसल भूमि और 0.9 लाख हेक्टेयर शहरी क्षेत्र भी इस शुरुआती बाढ़ से प्रभावित हैं।

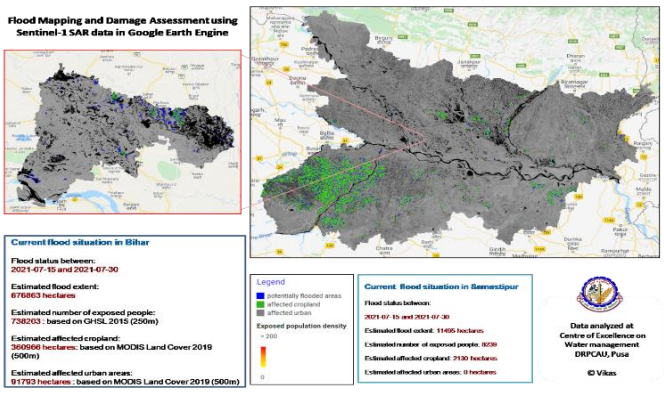

जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने हेतु रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा और एन.आई.डी.एम, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त वेबिनार का आयोजन

दिनांक 15 जुलाई 2021 को भारतीय विश्वविद्यालय संस्थानों के नेटवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (आई.यू.आई.एन- डी.आर.आर) के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन पर उत्कृष्ट अध्ययन केंद्र, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने किया, जबकि मेजर जनरल एम.एस. बिंदल, कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान और निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा ने अपनी उपस्थिति दर्ज की । माननीय कुलपति ने "अपशिष्ट प्रबंधन के उत्कृष्ट एवं सतत आर्थिक प्रयोग: 'सुखेत मॉडल' के माध्यम से खाना पकाने के लिए लकड़ी/गोबर आधारित ईंधन के उपयोग के कारण उत्पन्न वायु प्रदूषकों के खात्मे पर जोर दिया।

- **निदेशक अनुसंधान द्वारा याम प्रायोगिक क्षेत्र का भ्रमण** कंद फसल के खेत- हाथी फुट (याम) का दिनांक 29 जुलाई 2021 को निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा और अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने कंद फसलों के अन्य वैज्ञानिकों के साथ दौरा किया, जहां निदेशक अनुसंधान को ज़िग-ज़ैग बुवाई के द्वारा फसल के समग्र स्वास्थ्य के आशाजनक प्रभावों के बारे में बताया गया।

➢ **राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस का आयोजन**

मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में दिनांक 10 जुलाई, 2021 को राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति सहित विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य व्यक्ति इस मौके पर उपस्थित रहे |

➢ एन.एफ.डी.बी. के "स्टैण्डर्डडाइजेशन एंड डेमोंस्ट्रेशन ऑफ़ मोनोसेक्स तिलापिआ कल्चर इन फ्रेशवाटर पोंड ऑफ़ बिहार" परियोजना के तहत "तिलपिया मछली पालन" पर फील्ड दिवस-सह-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

➢ री-सर्कुलेटरी एक्काकल्चर सिस्टम के उत्पादन पर एक फील्ड डे का आयोजन किया गया और इस अवसर पर माननीय कुलपति ने री-सर्कुलेटरी एक्काकल्चर सिस्टम भवन का उद्घाटन किया।

➢ **एन.एफ.डी.बी. परियोजना के तहत फ्रेशवाटर झींगा बीज (पी.एल20) का वितरण** "फ्रेशवाटर झींगा बीज उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन" परियोजना के तहत चयनित किसानों के बीच फ्रेशवाटर झींगे की खेती की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया साथ हीं मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के नवनिर्मित तालाब में झींगे का बीज छोड़ा गया ।

मतस्यकी महाविद्यालय, ढोली में मछली संग्रहालय का उदघाटन

प्रैक्टिकल मैनुअल और लैब मैनुअल एवं पुस्तक का विमोचन

मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में मत्स्य वाटिका का उद्घाटन

प्रसार गतिविधियां

➢ **जिला आकस्मिक योजनाओं पर संवाद बैठक-सह-कार्यशाला** डॉ. मिथिलेश कुमार, निदेशक अनुसंधान की अध्यक्षता में दिनांक 23 जुलाई 2021 को संचार केंद्र, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा क्षेत्राधिकार के तहत सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो के साथ जिला कृषि आकस्मिक योजनाओं के अद्यतन पर एक विचार-विमर्श बैठक-सह-कार्यशाला आयोजित की गई। सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो के प्रतिनिधियों ने हाल के जलवायु परिवर्तन और उनके प्रबंधन के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों के आलोक में अद्यतन आकस्मिक योजनाएं प्रस्तुत कीं। विशेषज्ञ समिति ने विशेष रूप से मत्स्य पालन और पशु विज्ञान के लिए बाढ़ और सूखे से संबंधित तनाव के क्षेत्रों में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित हालिया प्रौद्योगिकियों के अनुसार आकस्मिक योजना को व्यवहार्य और गतिशील बनाने के लिए विभिन्न उपायों का सुझाव दिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सारण** द्वारा दिनांक 06 जुलाई 2021 को रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा द्वारा गठित एक टीम, (श्री पंकज कुमार, एस.एम.एस., मत्स्य पालन और डॉ शिवेंद्र कुमार, एसोसिएट प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली) ,ने जन-नायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया उत्तर प्रदेश के परिसर में एकीकृत जलीय कृषि की संभावनाओं की जानकारी हेतु विश्वविद्यालय का दौरा किया।.

➢ **अभिनंदन समारोह** प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार-2020 के तहत प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी की टीम के सम्मान हेतु सम्मान समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर श्रीमती मनोरमा सिंह, मशरूम उद्यमी को भी जगजीवन राम अभिनव कृषि पुरस्कार-2020 प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

➢ **वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला क्षेत्र IV** अटारी, पटना ने उप-महानिदेशक (कृषि प्रसार), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली, डॉ ए. के. सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 14-15 जुलाई 2021 तक एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। इस वार्षिक कार्यशाला में रा.प्र.के.कृ.वि. के कृषि विज्ञान केंद्र सहित जोन IV के 68 कृषि विज्ञान केन्द्रो ने भाग लिया और अपनी वार्षिक उपलब्धियों 2020-21 और आगामी वर्ष 2021-22 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। उप-महानिदेशक, (कृषि प्रसार) ने किसानो की आय को दोगुना करने और उच्च दुग्ध उत्पादन के लिए उन्नत नस्ल के मवेशियों के पालन के बारे में चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि. ने विश्विद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा शुरू की गई नई पहलों और अपशिष्ट प्रबंधन के "सुखेत मॉडल" के सफल कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। सुखेत मॉडल को पूरे देश में व्यापक रूप से सराहा जा रहा है।

➢ **वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम** दिनांक 16 जुलाई 2021 को भा.कृ.अनु.प. के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के तहत सभी 16 विज्ञान केन्द्रो ने "हर मेड़ पर पेड़" की थीम के साथ वृक्ष आधारित खेती को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण और जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के गांवों में महुआ, अर्जुन, शीशम, सागौन, सेमल, पोपलर, महुआ, कदम, बेल और नीलगिरी के लगभग 3000 विभिन्न पेड़ पौधे लगाए गए। पदमश्री पुरस्कार विजेता श्रीमती राजकुमारी देवी और आत्मा के ब्लॉक अध्यक्ष श्री संतोष कुमार क्रमशः के.वी.के, सरैया और के.वी.के, तुर्की में समारोह के मुख्य अतिथि थे।

➢ कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी, पूर्वी चंपारण में पौधरोपण का आयोजन

माननीय पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार और वर्तमान सांसद, मोतिहारी, श्री राधा मोहन सिंह की उपस्थिति में कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी ने 03 जुलाई 2021 को किसानों को वायु प्रदूषकों से पर्यावरण की रक्षा करने तथा पौधों, मानव और अन्य जीवन अस्तित्व के जुड़ाव के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 10,000 आंवला पौधे वितरित किए। माननीय सांसद ने सम्मानित विधायकों की उपस्थिति में पर्यावरण के अनुकूल वातावरण के लिए केवीके पिपराकोठी परिसर में आंवला का पौधा भी लगाया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र पिपराकोठी के सभी वैज्ञानिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

➢ माननीय मंत्री, कौशल विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बिहार सरकार द्वारा रोपण सामग्री का वितरण

दिनांक 5 जुलाई, 2021 को कृषि विज्ञान केंद्र, जाले ,दरभंगा द्वारा पर्यावरण और जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री जीवेश कुमार, माननीय कौशल विकास और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, बिहार सरकार अन्य गणमान्य व्यक्तियों, डॉ राघवेंद्र प्रसाद, अहियारी पूर्वी मुखिया, एवं जीविका अधिकारियों आदि के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर आम, जामुन, अर्जुन और अमरूद के 100 से अधिक पौधों को एक सौ किसानों और जीविका दीदी के बीच वितरित किया गया।

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय ने अरहर के डंठल से सेंटर टेबल विकसित किया

कृषि-अपशिष्ट उपयोग गतिविधियों के तहत, हल्के फर्नीचर बनाने के लिए अरहर के डंठल का उपयोग कर एक नवीन पद्धति विकसित की गई है। इन कृषि सामग्रियों का उपयोग कर डॉ. एस. के. पटेल और उनकी टीम द्वारा डॉ आर सी श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के मार्गदर्शन में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में अरहर के डंठल से सेंटर टेबल विकसित किया।

➢ अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना , मक्का के जनजातीय उप-योजना कार्यक्रम के तहत दिनांक 23-24 जुलाई, 2021 को सेमरा, पूर्वी चंपारण और 28 जुलाई, 2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली में "हाइब्रिड मक्का उत्पादन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी" पर एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सभी 25 प्रतिभागियों को स्प्रेयर मशीनें और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

➢ दिनांक 29-31 जुलाई, 2021 को जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत खाद्य एवं पोषण विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा के सहयोग से , अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना ,कंद फसल तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, के द्वारा "मूल्य वर्धित उत्पाद और कंद फसलों की प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

➢ दिनांक 30 जुलाई 2021 को बिहार के समस्तीपुर जिले के रामपुर समथू गांव में चल रहे परियोजना "किसान सहभागी संकर धान बीज उत्पादन" के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली में एक ऑन-फार्म प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमे धान की दो संकर जीनोटाइप, राजेंद्र राइस हाइब्रिड -1 और 2 के साथ साथ तीन संकर धान जीनोटाइप, (दो विश्वविद्यालय द्वारा और एक निजी कंपनी द्वारा विकसित)की लाइनों को 5: 1 के अनुपात में बोया गया ।

पुरस्कार और अन्य गतिविधियां

➢ इंडिया टुडे- एम.डी.आर.ए. सर्वेक्षण, 2021 द्वारा विश्वविद्यालय को पिछले वर्ष की 10वीं रैंक से बेहतर इस वर्ष 9वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया ।

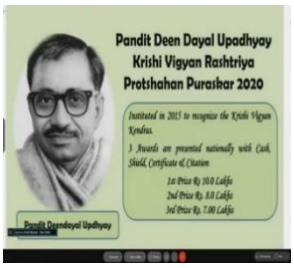

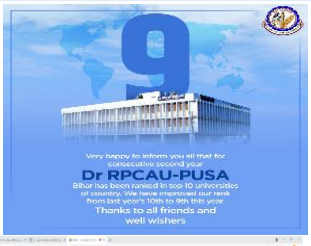

➢ **राष्ट्रीय पुरस्कार** कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी ने 93वें भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 16 जुलाई, 2021 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार-2020 प्राप्त किया। माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी ने वर्चुअल मोड के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी को प्रथम स्थान पुरस्कार प्रदान किया।

➢ दिनांक 30 जुलाई, 2021 को सामुदायिक विज्ञान के एस.एम.एस के लिए "बिहार के स्थानीय उपलब्ध मत्स्य सम्पदा का उपयोग कर मत्स्य कुकीज़ का निर्माण" विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डॉ तनुश्री घोराई, सहायक प्राध्यापक, मत्स्य इंजीनियरिंग और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विभाग, मतस्यकी महाविद्यालय, ढोली ने किया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा , अतिथि के रूप में निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा और कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली उपस्थित रहे । रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के तहत विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रो से आठ एस.एम.एस. को इस कार्यक्रम के माध्यम से मत्स्य पाउडर और मत्स्य कुकीज़ तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

➢ दिनांक 15-16 जुलाई, 2021 के दौरान गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार, बिहार द्वारा "कृषि में सूक्ष्म जीवों का प्रयोग: जैविक खेती के लिए एक अवसर " विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में डॉ. सुधा नंदनी, सहायक प्राध्यापक, पादप- रोग विज्ञान विभाग ने मुख्य वक्ता के रूप में "मशरूम उत्पादन: किसानों की समस्याओं का एक सरल समाधान" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

➢ दिनांक 24 जुलाई 2021 को प्रसार शिक्षा संस्थान, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा - "कृषि में महिलाओं का सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. अदिता शर्मा, सहायक प्राध्यापक, मत्स्य संसाधन प्रबंधन विभाग, मत्स्यकी महाविद्यालय द्वारा "एजेंट्स ऑफ चेंज- क्रिएटिंग इम्पैक्ट थ्रू फिशरीज" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।